मंत्री महोदय के लड़के को कोई किडनप कर लेता है तो पूरी क्राइम ब्रांच उसमें लगाई जाती है, लेकिन ऐसा लगता है कि इस सवाल पर पूरी क्राइम ब्रांच नहीं लगाई गई है। जब तक प्रधान मंत्री बम्बई से मदद नहीं लेंगे कि वहां किस तरह से खास अफसर आया है, बम्बई से एक क्रिमिनल भागकर दिल्ली आया है, उसका नाम बिल्ला है, मुझे मालूम नहीं कि यहां इसके लिये कोई मशीनरी है या नहीं, वहां स्पेशल मशीनरी है अगर आप उसे यहां भी ले लेंगे तो जिस तरह से रामन राघव को पकड़ा है, यहां भी कर सकते हैं। इस तरह से अगर करेंगे तो लोगों में विश्वास होगा कि आप सीरियस हैं और यहां पर आज ही किसी ऐसे नये यंत्र लगाने का ऐलान किया जाना चाहिये जिससे पता लगे कि आप किस तरह से सोचते हैं, उससे लोगों में विश्वास होगा। इतना ही नहीं, लोगों का सहकार जब तक आप नहीं लेते हैं, इसमें कुछ होने वाला नहीं है। रामन राघव के लिये लोगों ने एरिया एरिया में विजिलेंस कमेटी बनाई थी और रात को पहरा देना शुरू कर दिया था। अगर आप उनसे मदद लेंगे, तो लोगों को विश्वास पैदा होगा। मैं जानना चाहता हूं कि इस बारे में प्रधान मंत्री जी कुछ करेंगे या नहीं?

SHRI MORARJI DESAI: As far as I know, some police officers have come from Bombay and, according to the information obtained, they are working in collaboration. A gang has come from Bombay to Delhi. So, that also, is there. We are, therefore, trying to re-arrange the whole Police administration in order to see that things are better managed and better arranged, so that there is full security restored to the people. There is a sense of insecurity: I cannot deny that? How can I deny it? But, it is going on for quite some time, and it has increased. I do agree. Therefore our urgent duty is to see that we put the whole thing right as fast and as soon as we can.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

टाटा रोबिन्स फ्रेजर, जमशेदपुर द्वारा निर्मित वस्तुएं

*511. श्री रुद्र प्रताप षाड़ंगी : क्या उद्योग मंत्री निम्नलिखित जानकारी देने वाला एक विवरण सभा-पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बहु-राष्ट्रीय कम्पनियों के सहयोग के साथ रोबिन्स फ्रेजर, जमशेदपुर, द्वारा निर्मित माल देश में अनेक लघु उद्योगों द्वारा भी बनाया जाता है और एलीकन कम्पनी (गुजरात) मैकनल भारत कम्पनी (धनबाद) एलीवेरी कम्पनी (कलकत्ता) आदि द्वारा निर्मित वस्तुएं टाटा रोबिन्स फ्रेजर कम्पनी द्वारा निर्मित वस्तुओं से बेहतर है;

(ख) टाटा रोबिन्स फ्रेजर कम्पनी को सरकार द्वारा डब्ल्यू० रोबिन्स कम्पनी (अमरीका) और जी० एच० सी० फ्रेजर कम्पनी (ब्रिटेन) के साथ सहयोग करने की अनुमति किन कारणों से दी गयी है; और

(ग) इन कम्पनियों के साथ सहयोग समझौता कब समाप्त होना है और क्या उसके पश्चात् सरकार का विचार टाटा रोबिन्स फ्रेजर कम्पनी को अपने सहयोग समझौते का नवीकरण करने की अनुमति देने का है।

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नेन्डीस) : (क) मे० टाटा राबिन्स फेजर (टी० आर० एफ०) लिमिटेड द्वारा निर्मित काफी मात्रा में सामान उठाने वाले उपकरण के निर्माण के लिये आवश्यक कुछ हिस्से पुर्जे लघु उद्योग क्षेत्र में भी तैयार किये जा रहे हैं। ये मुख्यतया परम्परागत किस्म के कनवेयर कम्पोनेन्ट हैं।

मे० एलीकन इंजीनियरिंग कम्पनी लि० (गुजरात), मैकनल भारत इंजीनियरिंग

कम्पनी लिमिटेड (कुमारधुबी, धनबाद) तथा न्यू० एलनबैरी कम्पनी (न कि ऐलेनबैरी कम्पनी जैसा कि माननीय सदस्य द्वारा बताया गया है) कलकत्ता बड़े पैमाने के उद्योग क्षेत्र में है। काफी मात्रा में सामान उठाने वाले उपकरण आम तौर से क्रेताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति के अनुरूप बनाये जाते हैं तथा टाटा राबिन्स फेजर द्वारा निर्मित उपकरण अन्य एककों द्वारा निर्मित उपकरणों की क्वालिटी के हैं।

(ख) मे० टाटा राबिन्स फेजर लिमिटेड को अप्रैल, 1962 में मे० हैविट राबिन्स इंक, अमेरिका और जी० ई० सी० इंगलैंड के फेजर एण्ड चाल्मर्स इंजीनियरिंग वर्क्स के साथ विदेशी सहयोग की मंजूरी इसलिए दी गई थी कि देश में आवश्यक विभिन्न वल्क मैटेरियल हैंडलिंग उपकरण का प्रयोग और उसकी विभिन्न किस्में, क्षमता, सोफेस्टीकेशन में वृद्धि हो रही थी और इस प्रकार विदेशी तकनीकी सहयोग की जरूरत पड़ी। इस बात पर ध्यान दिया जाये कि माननीय सदस्य द्वारा बताई गई सभी कम्पनियों के विदेश सहयोग समझौते हैं। वास्तव में सरकारी क्षेत्र के एकक जैसे माइनिंग एण्ड एलाइड मशीनरी कारपोरेशन तथा भारी इंजीनियरिंग निगम इस क्षेत्र में अपने संयंत्र की क्षमता तथा प्रौद्योगिक कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए प्रसिद्ध विदेशी निर्माताओं से सहयोग कर रहे हैं।

(ग) टाटा राबिन्स फेजर के विदेशी सहयोगियों से समझौते दिसम्बर, 1978 में समाप्त होने वाले हैं। कम्पनी ने हाल में ही इन समझौतों में अगले पांच वर्ष की अवधि की वृद्धि के लिए आवेदन किया है। उनकी यह प्रार्थना सरकार के विचाराधीन है तथा इस पर निर्णय मामले के गुणों के आधार पर किया जायेगा।

2588 LS—3.

Shifting of Central Government Offices from Meghalaya

*512. SHRI SAUGATA ROY: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether reports have been received about attacks on non-tribals in Meghalaya;

(b) whether a local youth organisation has asked for Central Government Offices to be shifted from Meghalaya; and

(c) if so, the response of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) According to the information received from the Government of Meghalaya, there have been some such incidents. The Government of Meghalaya have been requested to take effective steps to prevent and deal with such incidents.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

Excesses during Emergency in Delhi

*518. SHRI BALAK RAM: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the number of complaints received by the Ministry during April, 1977 for probe by Shah Commission regarding excesses committed during emergency; and

(b) whether it is a fact that the excesses committed by the Judicial Officers of Delhi State were exempted from the purview of the Shah Commission; if so, what are the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) Since the Shah Commission was constituted only in May, 1977, there